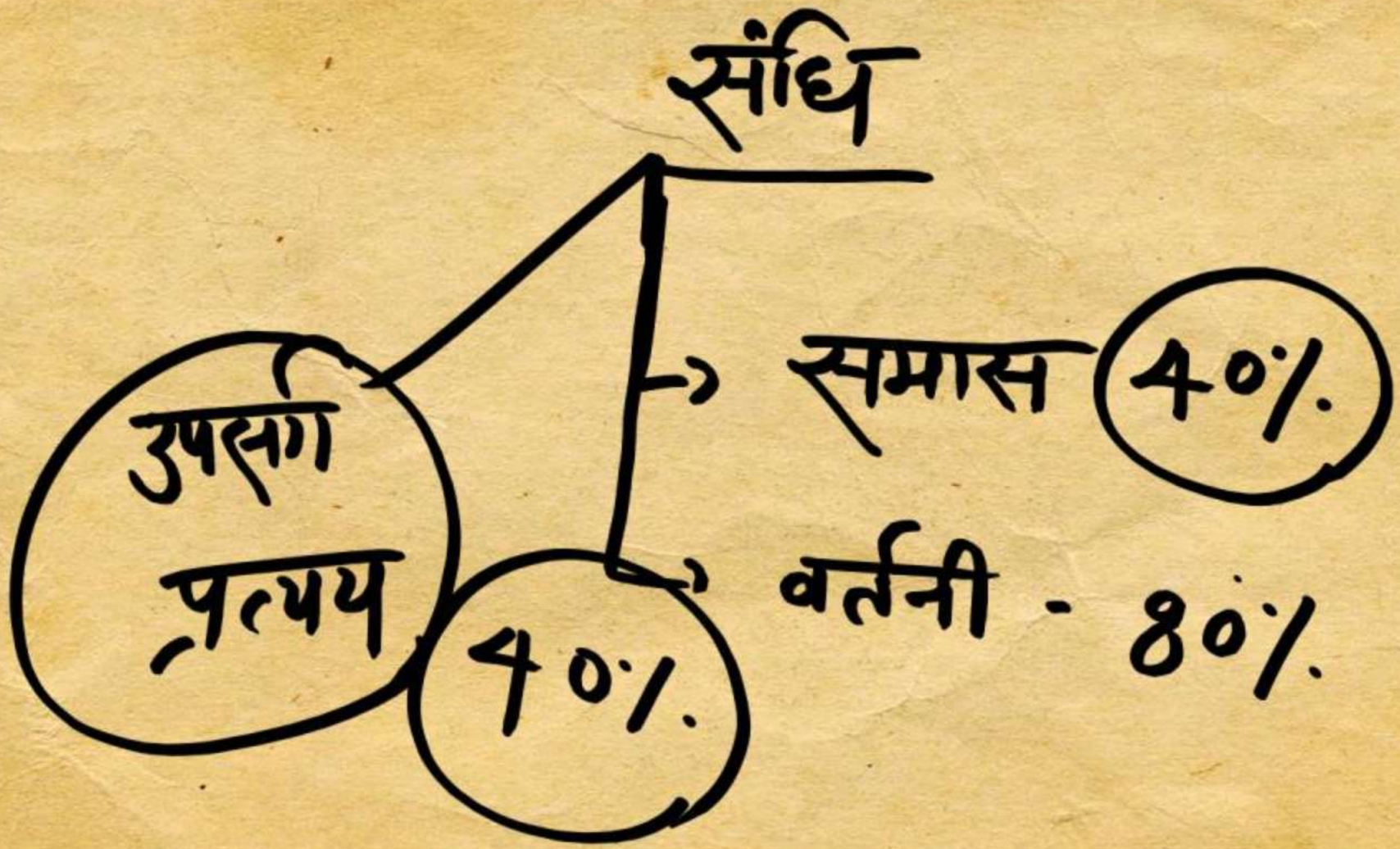

संधि
उपसर्ग
प्रत्यय
40%
समास 40%
वर्तनी - 80%

संधि किसे कहते हैं?

↓

जोड़

↳ संबंध

↳ समझौता

संधि

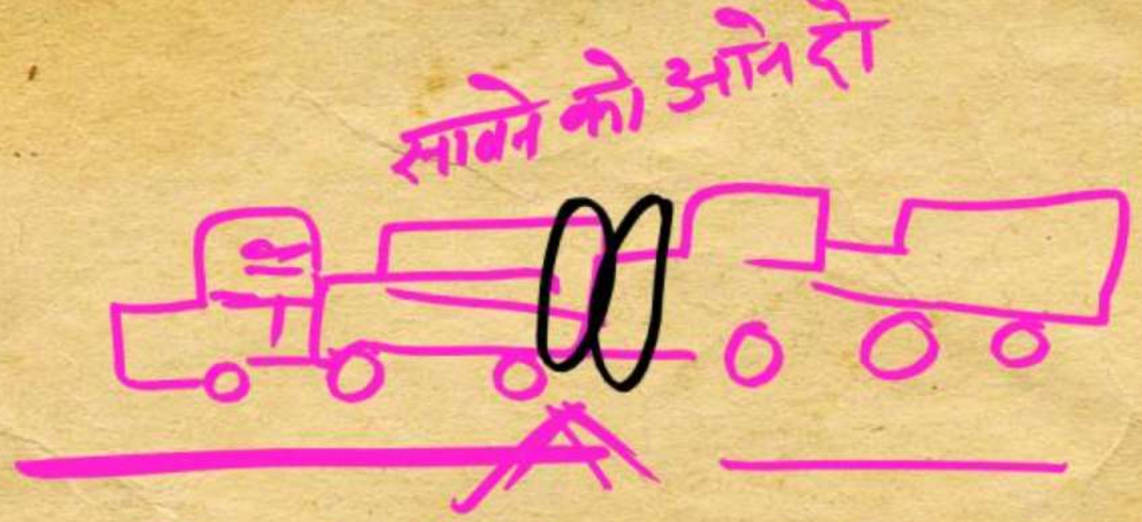

पहला पद + दूसरा पद

पहले वाले पद का अन्तिम वर्ण और दूसरे पद प्रथम वर्ण के मेल पैदा हुए विकारी शब्द को संधि कहते हैं।

द् + या
द्या

⇒ दो वर्णों के मेल से पैदा हुए विकार को संधि कहते हैं।

विद्यालय ⇒ विद्या + आलय

वर्ण वि-यास

व् + इ + द् + य् + अ + आ + ल् + अ + य् + अ

अ + आ = आ

संधि के प्रकार

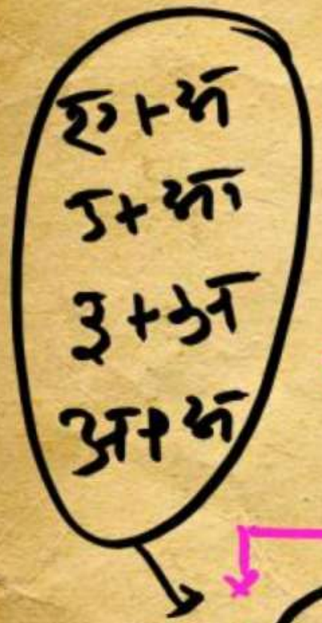

स्वर संधि

इ + अ
उ + आ
उ + ऊ
अ + अ

स्वर + स्वर

दोनों पदों के दोनों वर्ण स्वर रहेंगे।

व्यंजन संधि

दोनों पदों में से एक पद वर्ण का व्यंजन होना।

व्यंजन + स्वर
व्यंजन + व्यंजन
स्वर + व्यंजन
~~स्वर + स्वर~~

विसर्ग

:

व्यंजन: + स्वर
स्वर: + स्वर
स्वर: + व्यंजन
व्यंजन: + व्यंजन

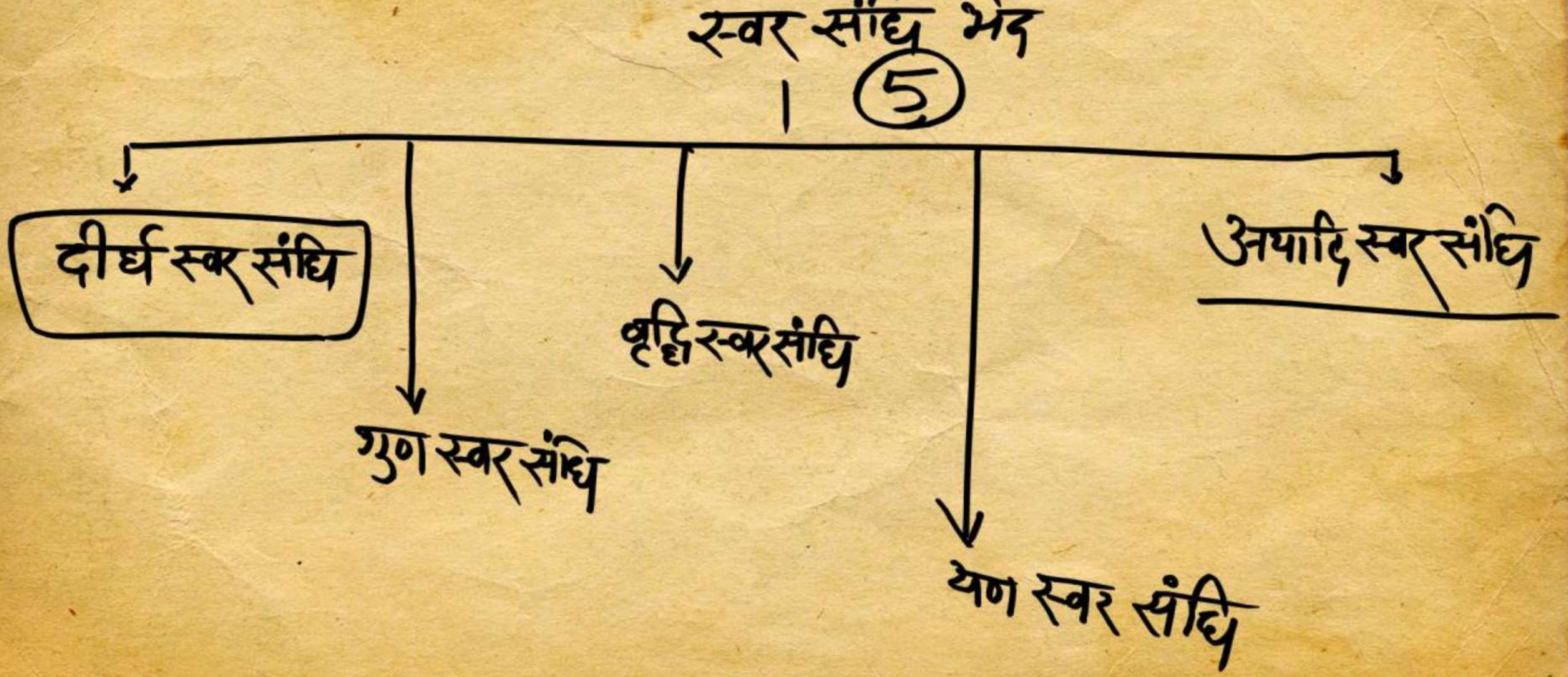

स्वर संधि भेद (5)

- दीर्घ स्वर संधि
- गुण स्वर संधि
- वृद्धि स्वर संधि
- यण स्वर संधि
- अयादि स्वर संधि

दीर्घ स्वर संधि → बड़ा

अ + अ = आ ✓ इ + इ = ई ✓ उ + उ = ऊ ✓	अ + आ = आ ✓ इ + ई = ई ✓ उ + ऊ = ऊ ✓
आ + आ = आ ✓ ई + ई = ई ✓ ऊ + ऊ = ऊ ✓	आ + अ = आ ✓ ई + इ = ई ✓ ऊ + उ = ऊ ✓

⇒ सजातीय स्वर का मिलन होता है।

अ + अ ✓

=> देव + आलय

=> विद्या + आलय

=> मुनी + इन्द्र

=> देव + आचमन

=> भानु + उदय

हरि + ईश

द् + ए + व् + अ + आ + ल् + अ + य् + अ

देवालय

आ

मु + न् + ई + इ + न् + द्र

मु न् + ई + न्द्र

मुनीन्द्र

भानु + उदय

भा + न् + उ + उ + दय

भा + न् + ऊ + दय

भानूदय

ऋ ✗

दीर्घस्वर संधि में हमेशा आ, ई, ऊ मात्रा का ही प्रयोग होगा अन्य मात्राएं नहीं लगेंगी जैसे ए, ओ औ

गुण स्वर संधि

अ + ए = ऐ ×

अ + इ = ए
आ + इ = ए
आ + ई = ए
अ + ई = ए ✓
अ + उ = ओ
आ + उ = ओ
आ + ऊ = ओ
अ + ऊ = ओ

अ + ऋ = अर्

परोपकार
पर + उपकार
प् + र् + अ + उ = पकार

प्र + ईक्षा = प् + र् + अ + ई + क्षा
ए
प् + रे + क्षा
प्रेक्षा ✓

गज + इन्द्र
ग + ज् + अ + ई + न्द्र
गजेन्द्र

नर + ईश = नरेश

गण + ईश = गणेश

यथा + इच्छा = यथेच्छा

ऋषिका + ईश = ऋषीश

महा + ऋषि

म + हा + ऋ + षि

म + ह् + आ + ऋ + षि

अर

महर्षि

देव + ऋषि

उत्तम + ऋण

उत्त + म् + अ + ऋ + ण

अर

उत्तमर्ण

वृद्धि स्वर संधि

ै ौ

गुण स्वर -संधि

वृद्धि स्वर संधि

→ अ + ए = ऐ ै	अ + ओ = औ ौ
→ अ + ऐ = ऐ ै	अ + औ = औ ौ
→ आ + ए = ऐ ै	आ + ओ = औ ौ
→ आ + ऐ = ऐ ै	आ + औ = औ ौ

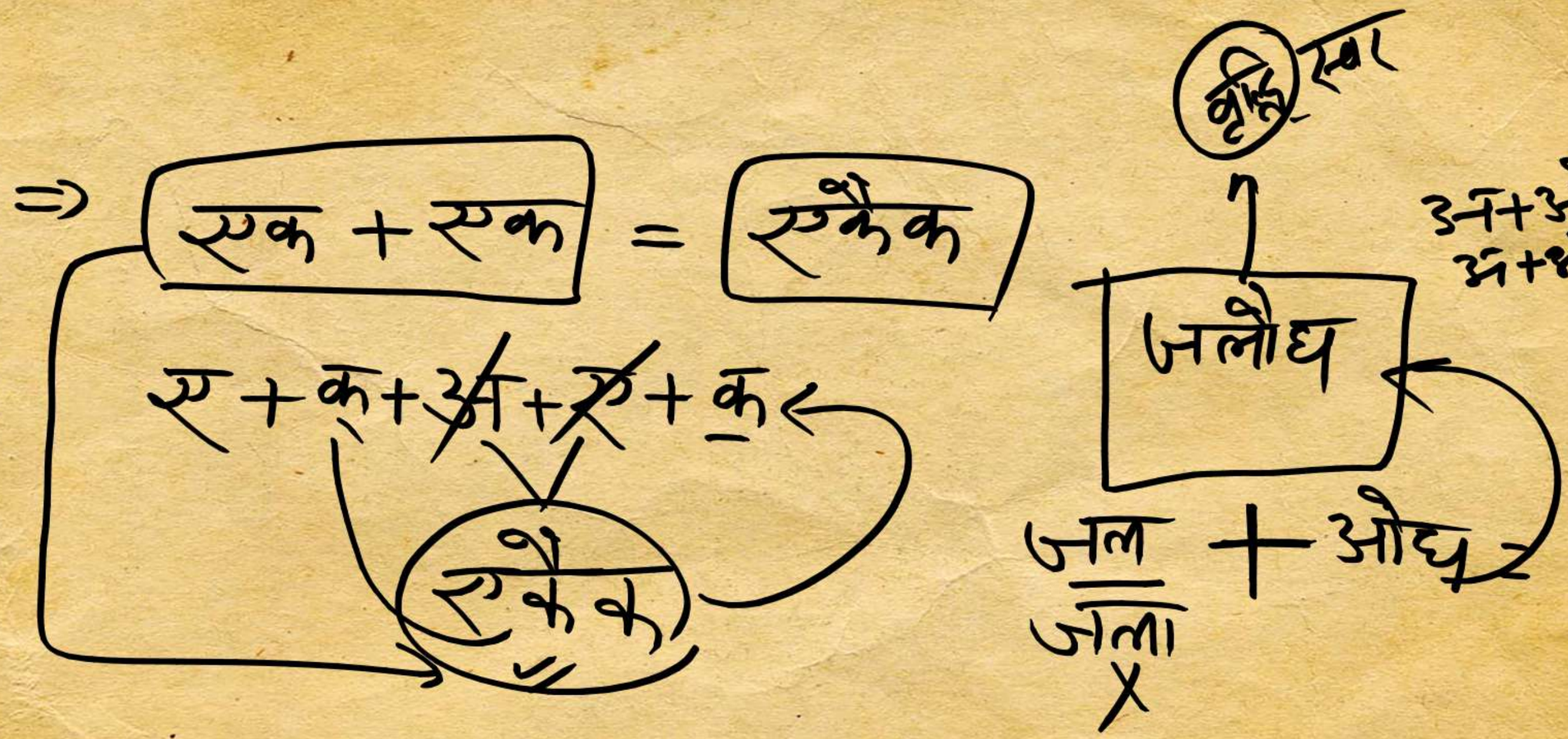

एक + एक = एकैक
ए + क् + अ + ए + क्
एकैक
वृद्धि स्वर
अ+ओ
अ+औ
जलौघ
जल + ओघ
जला
X

श्री

=> **महौषद** ✓

महा + औषद

=> ① महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य ✓

② महा + ओजस्वी = महौजस्वी

⇒ तत् + एव = तदैव

⇒ महा + ऐषणा = महैषणा

⇒ मत + ऐक्य = मतैक्य

टीका + सत

यण स्वर संधि

दीर्घ = इ + इ
अ + अ
उ + उ

गुण = अ + इ
अ + उ
अ + ऋ

वृद्धि = अ + ए/ऐ
अ + ओ/औ

ई + अन्य स्वर

इ + अन्य स्वर

ऊ + अन्य स्वर

उ + अन्य स्वर

इ + अन्य स्वर

इ + अ/आ/उ/ऊ/ए/ओ

① इ + अन्य स्वर से होता है तो 'इ' के स्थान पर 'य्' हो जाता है और जिस स्वर के साथ मिलन हो रहा है। उसकी मात्रा 'य' पर लग जाती है।

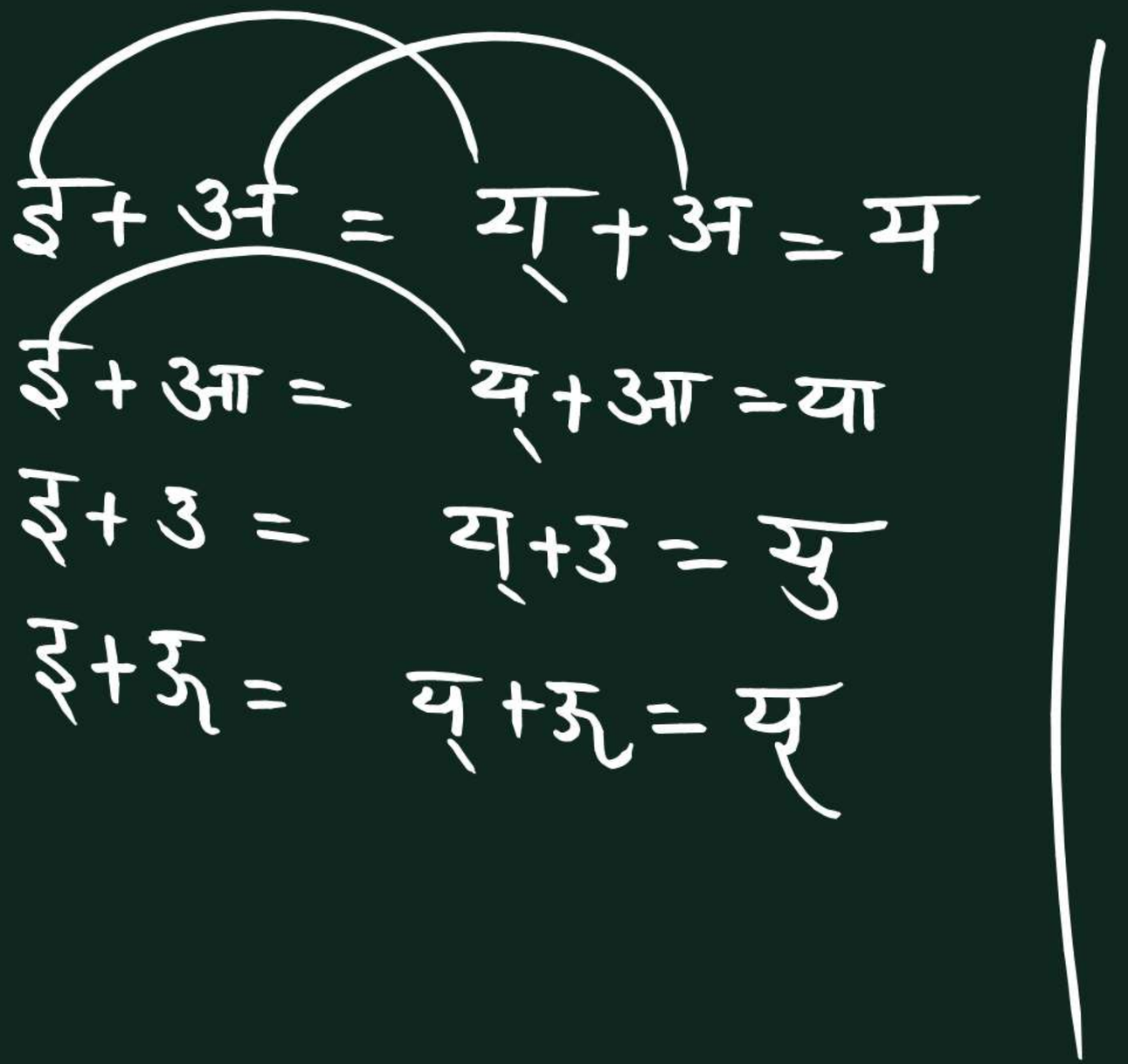
इ + अ = य् + अ = य
इ + आ = य् + आ = या
इ + उ = य् + उ = यु
इ + ऊ = य् + ऊ = यू

उ + अ = व् + अ = व

उ + आ = व् + आ = वा

उ + इ = व् + इ = वि

उ + ई = व् + ई = वी

⇒ अति + अधिक

⇒ अ + त् + इ + अ + धि + क

य + अ

अत्यधिक

अभि + अर्थी

अ + भ् + इ + अ + र्थी

य + अ

अभ्यर्थी

सु + अस्ति

स् + उ + अ + स्ति

व + अ

स्वस्ति

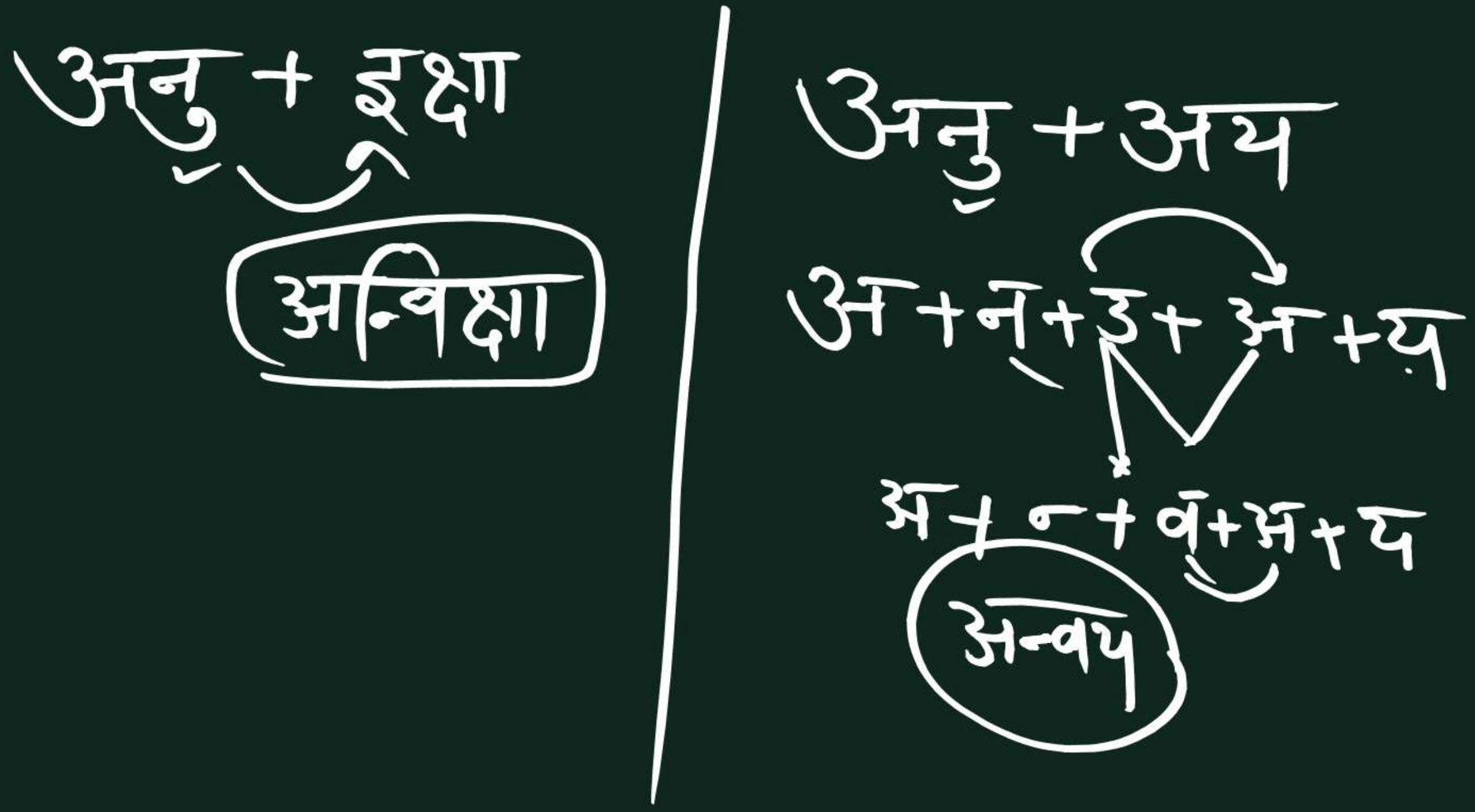
अनु + इक्षा
अन्विक्षा
अनु + अय
अ + न् + इ + अ + य
अ + न् + व् + अ + य
अन्वय

इ + अन्य

उ + अन्य

ऋ + अन्य

र्

=> मातृ + आज्ञा

माताज्ञा

मा + त् + ऋ + आ + ज्ञा

त् + र् + आ

① मातृ + अनुदेश = मात्रादेश

② पितृ + आदेश = पित्रादेश ✓

③ पितृ + आनन्द = पितानन्द ✓

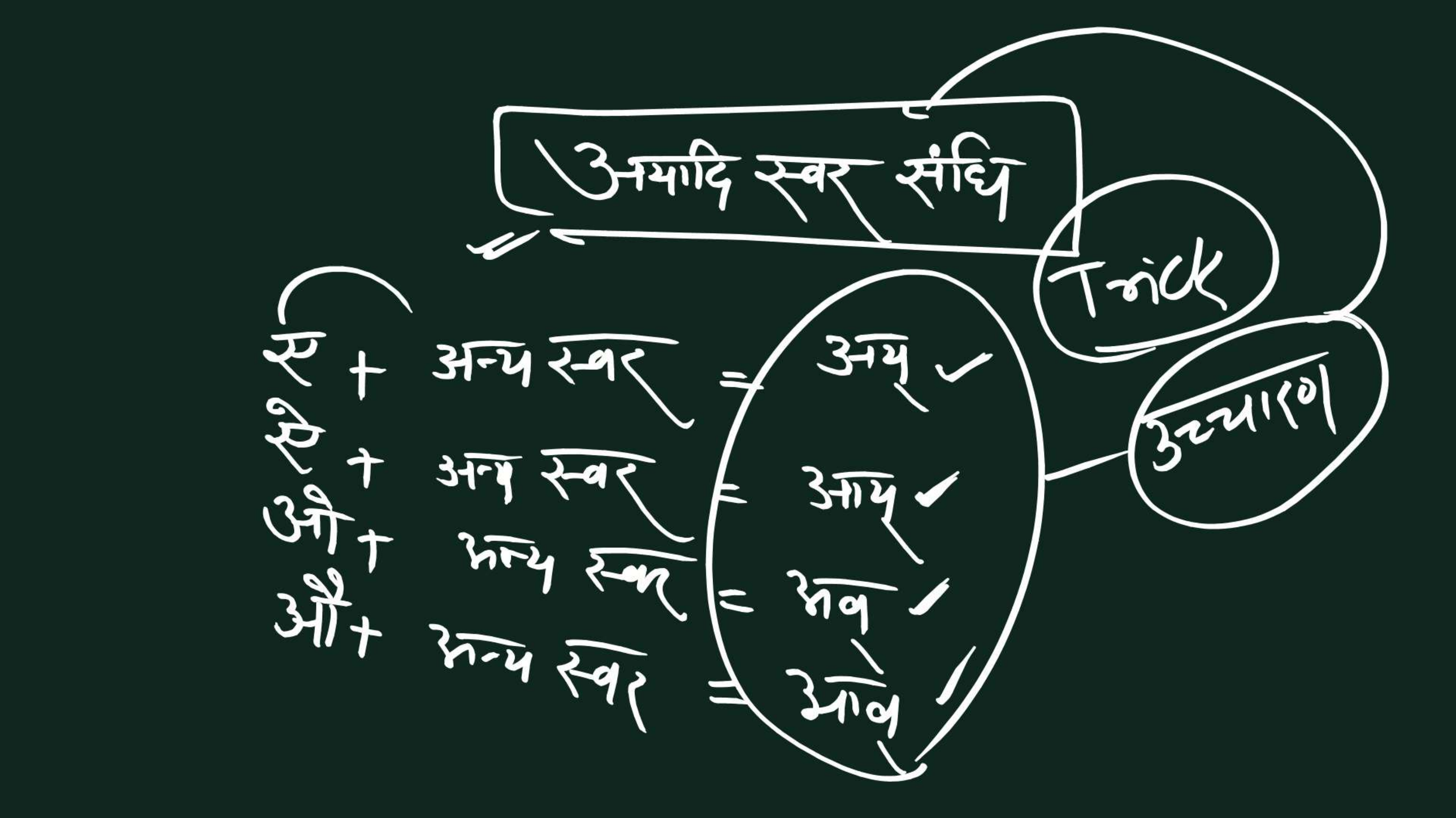
अयादि स्वर संधि
Trick
उच्चारण
ए + अन्य स्वर = अय्
ऐ + अन्य स्वर = आय्
ओ + अन्य स्वर = अव्
औ + अन्य स्वर = आव्